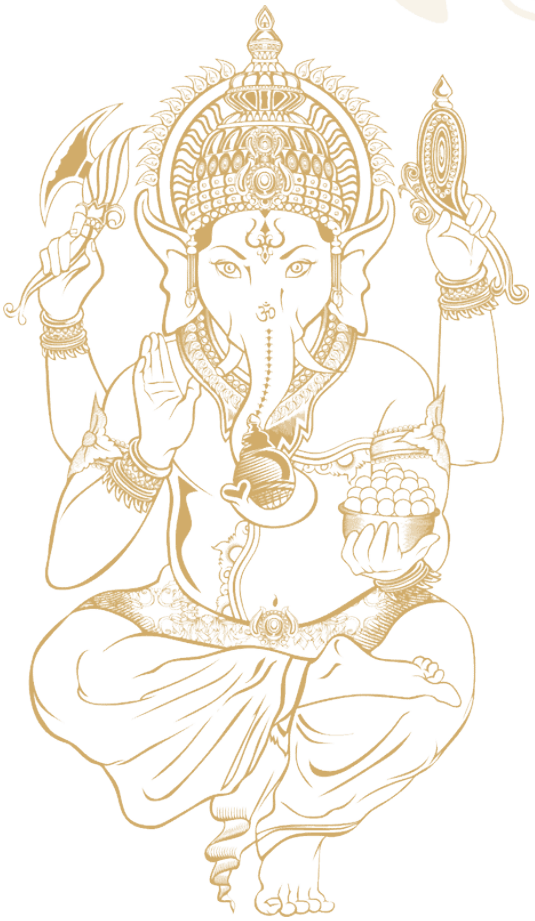

Mr....

16 Feb 2026

01:40 PM

Simla

Model: web-freekundliweb

Order No: 121319405

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**16/02/2026**
दिन	सोमवार
जन्म समय	**13:40:00 घंटे**
इष्ट	16:34:59 घटी
स्थान	**Simla**
राज्य	Himachal Pradesh
देश	India

अक्षांश	31:06:00 उत्तर
रेखांश	77:10:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:20 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	13:18:40 घंटे
वेलान्तर	-00:14:04 घंटे
साम्पातिक काल	23:04:00 घंटे
सूर्योदय	07:02:00 घंटे
सूर्यास्त	18:09:14 घंटे
दिनमान	11:07:14 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	03:25:59 कुम्भ
लग्न के अंश	06:50:31 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**मकर - शनि**
नक्षत्र-चरण	**श्रवण - 3**
नक्षत्र स्वामी	चन्द्र
योग	वरियान
करण	शकुनि
गण	देव
योनि	वानर
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	जलचर
वर्ग	मार्जार
युँजा	अन्त्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	खे-खेमचन्द
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कुम्भ

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	06:50:31	329:08:30	आर्द्रा	1	6	बुध	राहु	राहु	---
सूर्य			कुंभ	03:25:59	01:00:36	धनिष्ठा	4	23	शनि	मंगल	शुक्र	शत्रु राशि
चंद्र			मक	19:30:04	12:51:48	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	बुध	सम राशि
मंगल		अ	मक	24:32:51	00:47:14	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	राहु	उच्च राशि
बुध			कुंभ	20:55:37	01:21:09	पू०भाद्रपद	1	25	शनि	गुरु	गुरु	सम राशि
गुरु	व		मिथु	21:42:19	00:04:22	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	गुरु	शत्रु राशि
शुक्र			कुंभ	13:10:37	01:15:05	शतभिषा	2	24	शनि	राहु	बुध	मित्र राशि
शनि			मीन	06:02:05	00:06:42	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	बुध	सम राशि
राहु	व		कुंभ	14:44:05	00:01:10	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	केतु	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	14:44:05	00:01:10	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष			वृष	03:18:08	00:00:39	कृतिका	2	3	शुक्र	सूर्य	शनि	---
नेप			मीन	06:22:57	00:01:59	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	बुध	---
प्लूटो			मक	09:56:52	00:01:48	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
दशम भाव			कुंभ	20:34:40	--	पू०भाद्रपद	--	25	शनि	गुरु	गुरु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:27

लग्न-चलित

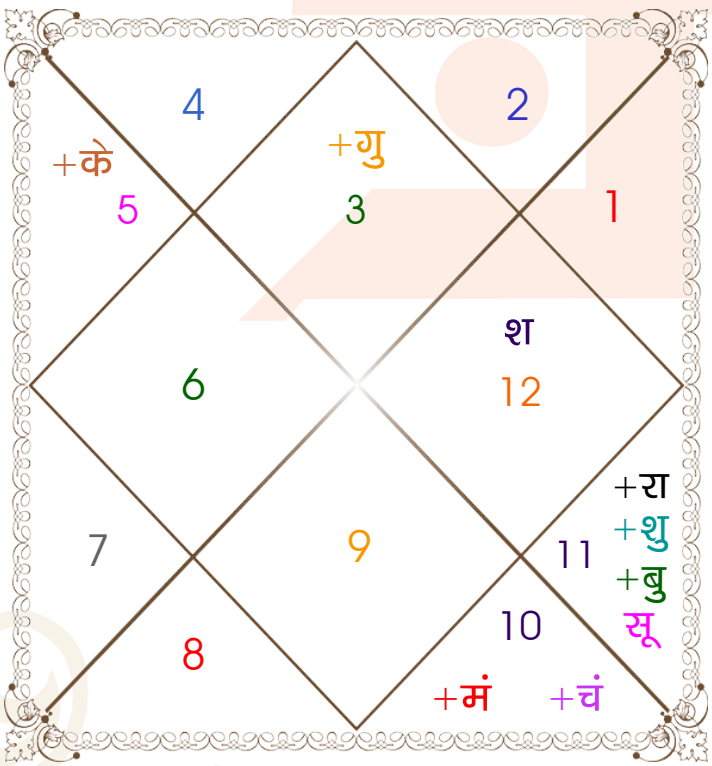

चन्द्र कुंडली

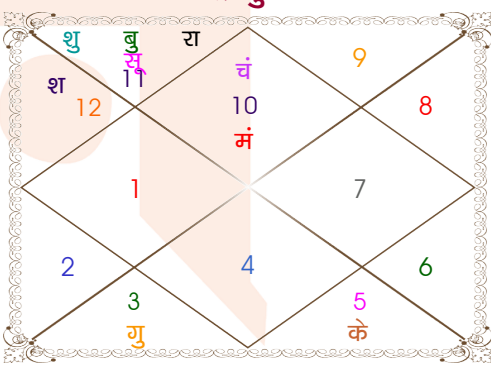

नवमांश कुंडली

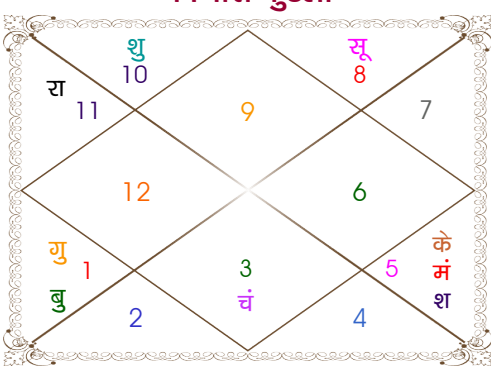

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : चन्द्र 2 वर्ष 10 मास 14 दिन

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
16/02/2026		01/01/2029		02/01/2036		01/01/2054		01/01/2070	
01/01/2029		02/01/2036		01/01/2054		01/01/2070		01/01/2089	
	00/00/0000	मंगल	30/05/2029	राहु	14/09/2038	गुरु	19/02/2056	शनि	04/01/2073
	00/00/0000	राहु	18/06/2030	गुरु	06/02/2041	शनि	02/09/2058	बुध	14/09/2075
	00/00/0000	गुरु	24/05/2031	शनि	14/12/2043	बुध	08/12/2060	केतु	23/10/2076
	00/00/0000	शनि	02/07/2032	बुध	03/07/2046	केतु	13/11/2061	शुक्र	24/12/2079
	16/02/2026	बुध	29/06/2033	केतु	21/07/2047	शुक्र	14/07/2064	सूर्य	05/12/2080
बुध	02/04/2026	केतु	26/11/2033	शुक्र	21/07/2050	सूर्य	03/05/2065	चंद्र	06/07/2082
केतु	02/11/2026	शुक्र	26/01/2035	सूर्य	15/06/2051	चंद्र	02/09/2066	मंगल	15/08/2083
शुक्र	02/07/2028	सूर्य	03/06/2035	चंद्र	14/12/2052	मंगल	09/08/2067	राहु	21/06/2086
सूर्य	01/01/2029	चंद्र	02/01/2036	मंगल	01/01/2054	राहु	01/01/2070	गुरु	01/01/2089

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
01/01/2089		02/01/2106		02/01/2113		02/01/2133		02/01/2139	
02/01/2106		02/01/2113		02/01/2133		02/01/2139		00/00/0000	
बुध	31/05/2091	केतु	31/05/2106	शुक्र	03/05/2116	सूर्य	21/04/2133	चंद्र	03/11/2139
केतु	27/05/2092	शुक्र	31/07/2107	सूर्य	04/05/2117	चंद्र	21/10/2133	मंगल	03/06/2140
शुक्र	28/03/2095	सूर्य	06/12/2107	चंद्र	02/01/2119	मंगल	26/02/2134	राहु	03/12/2141
सूर्य	01/02/2096	चंद्र	06/07/2108	मंगल	04/03/2120	राहु	21/01/2135	गुरु	04/04/2143
चंद्र	03/07/2097	मंगल	02/12/2108	राहु	04/03/2123	गुरु	09/11/2135	शनि	02/11/2144
मंगल	30/06/2098	राहु	21/12/2109	गुरु	02/11/2125	शनि	21/10/2136	बुध	17/02/2146
राहु	17/01/2101	गुरु	27/11/2110	शनि	02/01/2129	बुध	27/08/2137		00/00/0000
गुरु	25/04/2103	शनि	06/01/2112	बुध	03/11/2131	केतु	02/01/2138		00/00/0000
शनि	02/01/2106	बुध	02/01/2113	केतु	02/01/2133	शुक्र	02/01/2139		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल चंद्र 2 वर्ष 10 मा 7 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म आर्द्रा नक्षत्र के प्रथम चरण में हुआ है। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर मिथुन लग्न के साथ-साथ धनु का नवमांश एवं मिथुन राशि का ही द्रेष्काण भी उदित हो रहा था। मिथुन लग्न की आकृति के फलस्वरूप यह प्रभाव स्पष्ट है कि आपका जीवन पूर्ण रूपेण उत्थान-पतन से युक्त तथा बार-बार उत्थान पतन का कारक भी है। यदि आप सतर्क नही रहे तो सदैव ही उच्चता एवं नीचता का वातावरण बनता रहेगा तथा आपको अपनी प्रतिष्ठा की रक्षा करने के लिए तथा विपत्ति अर्थात् दीनता से संघर्ष करने की सभी संभावनाएं क्षीण हो जाएगी। आपको अपने प्रारंभिक जीवन की शुरूआत के साथ ही सतर्कता पूर्वक संबंधित व्यवधानों की रोकथाम की प्रक्रिया भी प्रारंभ करना होगा। लग्न नवमांश के प्रभाव से आपके जीवन में उत्तमता हेतु आशा किरण का उदय आपकी आयु के पचीसवें वर्ष में दृष्टिगत होता है। आप अपनी हठधर्मिता को त्याग कर धैर्य पूर्वक समय की प्रतीक्षा करें। वास्तव में व्यक्तिगत रूप से आपकी कुशाग्रता और आपको अपने आत्मज्ञान के माध्यम से जीवन की दूरी तय करनी चाहिए। यदि आप अपने किसी भी एक चयनित रास्ते पर साहस और एकाग्रता पूर्वक चलते रहे तों सर्वोच्च पद पर पहुंचेगे। आपके लिए पत्रकारिता, लेखन कला, साथ ही कलात्मक कार्य व्यवसाय से आप लाभ प्राप्त करेंगे।

परंतु आपकी ऐसी आदत है कि आप अनिश्चित बाधाओं के प्रति बहुधा सशंकित रहते हैं तथा प्रायः अनिश्चित स्थिति में अर्थात् दुविधापूर्ण वातावरण से आप घिर जाते हैं। आप एक लुढकते हुए पत्थर के समान अपना आचरण रख कर, निश्चित लाभांश प्राप्त करने में असफल रह जाते हैं। आपकी अनुदारता के कारण आपकी चाह रहती है कि संक्षिप्त प्रकार से निर्दिष्ट विषय पर पॉलिस करके मानक विधान को स्वीकार कर, विजय श्री प्राप्त करें।

आप भाग्य की कृपा से किसी एक कार्य को संपादित कर अन्य कार्य का उत्तरदायित्व ग्रहण कर सकते हैं। परंतु आप में एकाग्रता का अभाव विद्यमान है। दिक्कत यह है कि आप इस अभाव को केंद्रीकरण करने के पश्चात् ही किसी भी उत्तरदायीत्व को ग्रहण कर बिना कार्य पूर्ण किए ही अन्य कार्यों को संपादन करने का अवसर अपने हाथ में ले लेते हैं।

अति महत्वाकांक्षा के प्रभाव से आप ऐसा कार्य संचालित कर लेते हैं। क्योंकि आप चमत्कारिक ढंग से धन प्राप्त कर धनी बन जाना चाहते हैं। आपको अपनी आय बढ़ाने की पवृत्ति ऐसी है कि आप यदा-कदा एक ही साथ दो स्थानों पर एक ही समय कोई कार्य प्रारंभ कर, लाभ उपार्जित करने का प्रयास करते हैं। परंतु यह आकस्मिक स्थिति मात्र कुछ समय तक ही प्रभावित रहती है।

आपकी दूसरी समस्या यह है कि आप जन सामान्य के साथ तथा इनके द्वारा लोकप्रियता प्राप्त करते हैं। इस प्रकार आप अपने स्वास्थ्य पर ध्यान नहीं दे पाते। आपको एकाग्रतापूर्वक अपने मित्र मंडली में बदलाव लाना होगा। ये लोग आपको सामान्य तरंगित भावनाओं को समझ पाना दुष्कर समझते हैं। अर्थात आप कैसे व्यक्ति हो उनके लिए समझ पाना उतना आसान नही हैं। आप में यह रहस्यमयी शक्ति विद्यमान है कि आप अन्य

किसी की भावनाओं को पूर्ण रूपेण समझ लेते हैं, तथा उसके बाद अपने ढंग से उसको प्रदर्शित करते हैं। आपका स्वभाव निःसंदेह ऐसा है कि आप आश्चर्यजनक प्रभाव से दूसरों को प्रभावित करते हैं। परंतु आप वातावरण को अनुकूल बनाने में अक्षम रहते हैं।

आपको जब कोई भी जीवन की उन्नति के अन्य मार्ग दृष्टिगत नही होते तब आप अपनी क्षमता के अनुरूप अपने धन को लाभजनक कार्य में लगा देते हैं। निम्नांकित बिन्दुओं पर विधानतः तदनुसार आचरण करना चाहिए जो कि आपकी लापरवाही के विरुद्ध जीवन के महत्वपूर्ण सांकेतिक शब्द हैं।

आपके जीवन के लिए महत्वपूर्ण रंग पीला, हरा, ब्लू एवं मोतिया एवं गुलाबी रंग हैं। परंतु हर दशा में रंग काला एवं लाल सर्वथा त्याज्य है।

इसके अतिरिक्त अंक 4 एवं 8 अंक का व्यवहार सर्वथा प्रतिकूल है। जबकि अंक 7 एवं 3 अंक आपके लिए वास्तव में अनुकूल हैं।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है।